एम.फिल. हिन्दी पाठ्यक्रम

(2008-2009 की परीक्षाओं के लिए)

प्रश्नपत्रः १ **संशोधन पद्धति : (Research Methodology)**

शोध की परिभाषा एवं स्वरूप :

शोध की परिभाषा, साहित्यिक शोध की विशेषताएँ और प्रकृति, अनुसंधान और आलोचना, शोध और सत्यान्वेषण, विषयगत और विषयीगत शोध, अनुसंधित्सु और निर्देशक की क्षमता, शोध का महत्व ।

२. **शोध के प्रकार :**

(क) व्याख्यात्मक शोध । (ख) भाषातात्विक शोध ।

(ग) तुलनात्मक शोध-महत्व, प्रेरणा, प्रकार, कठिनाइयाँ ।

(घ) क्षेत्रीय शोध । (ड) ऐतिहासिक शोध का स्वरूप ।

३. **पाठ्यानुसंधान की प्रक्रिया, पांडुलिपियों का संपादन-पाठ समीक्षा**

४. **शोध प्रक्रिया :**

(क) विषय का चयन ।

(ख) शोध योजना ।

(ग) शोध कार्य की पद्धति ।

(घ) सामग्री संकलन, सांदर्भिक सतर्कता, अध्याय-क्रम की व्याख्या, तथ्य संचयन के साधन, साक्षात्कार, तालिका, प्रश्नावली, सर्वेक्षण आदि ।

(ड) संचित सामग्री की प्रामाणिकता की परीक्षा ।

(च) सामग्री वर्गीकरण ।

(छ) शोध प्रबंध का लेखन ।

५. आंतर्विषयक शोध : **(Interdisciplinary approach)**

समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक तथा भाषावैज्ञानिक अध्ययन ।

कुल अंक : 100

प्रश्नपत्रः २ हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पाठ्यविषयः

- विचारधारा और साहित्य ।
- विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन ।
- मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य-वैषम्य ।
- आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति ।
- राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता ।
- हिन्दी लोक जागरण एवं पुनर्जागरण ।
- पुनरूत्थान ।
- हिन्दी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद : अध्यात्मवाद, गाँधीवाद, मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद ।
- परम्परा और आधुनिकता ।
- राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन ।
- भारतीय सांविधानिक व्यवस्था-लोकतंत्र, समाजवाद, पंथ निरपेक्षता, दलित-चेतना, स्त्री-विमर्श ।
- आंचलिकता ।
- महानगरबोध ।
- साहित्य का अंतर्विद्यापरक अध्ययन, साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास दर्शन, मनो

  साहित्य का वैज्ञानिक बोध ।

कुल अंक : 100

प्रश्नपत्रः ३ शोध आलेख अथवा समसामयिक साहित्य (कविता, कथा-साहित्य)

शोध आलेखः

* इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत निम्नलिखित वर्गों से संबंधित विषयों पर गहन अध्ययन किया जाएगा । इसका अध्यापन विभागीय विषय विशेषज्ञ द्वारा कक्षाध्यापन अथवा संगोष्ठि के रुप में किया जाना चाहिए ।

* विषय का आबंटन विभागीय व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा ।

- मध्यकालीन हिन्दी साहित्य ।
- आधुनिक साहित्य ।
- भाषाविज्ञान एवं प्रयोजनसूचक हिन्दी ।
- काव्यशास्त्र एवं समीक्षा सिद्धांत ।

* यह आवश्यक है कि शोध विषय का चयन उपयोगिता एवं मौलिकता के आधार पर किया जाए और विद्यार्थी के मार्गदर्शन हेतु विषय विशेषज्ञ प्राध्यापकों का निर्देशन सुलभ करवाया जाए ।

* विद्यार्थी वर्ष में ५ शोध आलेख तैयार करें और विभाग के निर्देशानुसार उन्हें मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करें । १०० अंक में से बाह्य परीक्षक इन ५ शोध आलेखों पर अंक प्रदान करेगा ।

कुल अंक : १००

अथवा

समसामयिक साहित्य (कथा साहित्य एवं काव्य)

काव्य संग्रहः

- केदारनाथ सिंह - 'उत्तर कबीर'
- बोधिसत्व - 'दुखतंत्र'
- निर्मला पुत्तुल - 'नगाडे की तरह बजते शब्द'
- मोहन डहेरिया - 'उनका बोलना'

हिन्दी उपन्यासः

- 'अंतिम अरण्य' - निर्मल वर्मा
- 'काशी का अस्सी' - काशीनाथ सिंह
- 'त्रिशूल' - शिवमूर्ति
- 'कलि-कथा वाया बाय-पास - अलका सरावगी

कुल अंक : १००

प्रश्नपत्र-४ **लघु शोध प्रबंधः**

विद्यार्थी को लघु शोध प्रबंध कंप्यूटर पर सौ पृष्ठ अथवा टाइपराइटर पर एक-सौ पचास पृष्ठों में टंकित करवाकर तीन प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा ।

जिसका मूल्यांकन एक बाह्य परीक्षक एवं एक मार्गदर्शक द्वारा किया जाएगा ।

दोनों द्वारा दिए गए अंकों के योग से औसत निकाल कर परिणाम बनाया जाएगा ।

कुल : 100 अंक

****